

उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों हेतु दवाली पूर्व उपहार योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश सरकार **दवाली** से पहले राज्य कर्मचारियों को अनेक लाभ प्रदान करेगी।

प्रमुख बिंदु

- **तीन संभावित लाभ:**
 - **महंगाई भत्ते (Dearness Allowance- DA) में वृद्धि:** महंगाई भत्ते में 4% की वृद्धि से राज्य कर्मचारियों की आय को **मुद्रास्फीति** के अनुरूप समायोजित करके उन्हें अधिक वित्तीय राहत मिलेगी।
 - **बोनस घोषणा:** राज्य सरकार कर्मचारियों को दवाली बोनस प्रदान कर सकती है, जो त्योहारी सीज़न के लिये अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।
 - **सेवानिवृत्त आयु की समीक्षा:** वशिष्ट सरकारी कर्मचारियों के लिये **सेवानिवृत्त आयु** बढ़ाने के बारे में चर्चा चल रही है।
- **महंगाई भत्ता (DA):**
 - यह **मुद्रास्फीति को संतुलित** करने के लिये जीवन-यापन की लागत का समायोजन है, जो सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को प्रदान किया जाता है। इसकी गणना **मूल वेतन** के प्रतिशत के रूप में की जाती है।
- **अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:**
 - **उपभोक्ता व्यय में वृद्धि:** इस वृद्धि से प्रयोज्य आय में वृद्धि होती है, विशेष रूप से त्योहारों के समय, जिससे उपभोक्ता मांग में वृद्धि होती है।
 - **मुद्रास्फीति नियंत्रण:** महंगाई भत्ता (DA) कर्मचारियों को मुद्रास्फीति का प्रबंधन करने में मदद करता है, लेकिन यदि आपूर्ति-उत्पत्ति से नहीं बढ़ती है तो मांग में वृद्धि से मुद्रास्फीति भी बढ़ सकती है।
 - **राजकोषीय दबाव:** सरकार के लिये, महंगाई भत्ते में वृद्धि से व्यय में वृद्धि होती है, जो राजकोषीय बजट पर दबाव पड़ सकता है, लेकिन उपभोग के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

मुद्रास्फीति

- **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष** द्वारा परिभाषित **मुद्रास्फीति**, किसी निश्चित अवधि में कीमतों में वृद्धि की दर है, जिसमें समग्र मूल्य वृद्धि या वशिष्ट वस्तुओं और सेवाओं के लिये व्यापक मूल्य वृद्धि शामिल होती है।
- यह जीवन की बढ़ती लागत को दर्शाता है और यह बताता है कि **एक निश्चित अवधि में, आमतौर पर एक वर्ष में**, वस्तुओं और/या सेवाओं का एक समुच्चय (SET) कतिना महंगा हो गया है।
- भारत में आर्थिक असमानताओं और बड़ी जनसंख्या के कारण मुद्रास्फीति का प्रभाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

